Page :
Date: / /

पाठ-16
अतिथि देवो भव
शब्द अर्थ

| शब्द | | अर्थ |
|---|---|---|
| 1→ तट | → | किनारा |
| 2→ पाषाण | → | पत्थर |
| 3→ खंडों | → | टुकड़ों |
| 4→ व्याकुल | → | बेचैन |
| 5→ आतुर | → | अधीर |
| 6→ सहसा | → | अचानक |
| 7→ उदास | → | खिन्न, दुःखी |
| 8→ विपत्ति | → | संकट, आफत |
| 9→ आत्मत्याग | → | स्वार्थ त्याग |
| 10→ आपदाएँ | → | परेशानियाँ |
| 11→ दुर्गति | → | खराब दशा |
| 12→ सुनसान | → | वीरान |

नवीन कार्य नवीन पृष्ठ से प्रारंभ करें

प्रश्न / उत्तर

प्र०=1. सुंदर ने खाना न मिलने के कारण अपनी बहन से व्याकुल होकर क्या कहा ?

उ० सुंदर ने खाना न मिलने के कारण अपनी बहन से

Scanned by TapScanner

Page:
Date: / /

व्याकुल होकर कहा, "अब भूख सहन नहीं होती, चलो नदी का दो घूंट जल पीकर भूख शांत करें।'

प्र०=२. किन पंक्तियों से पता चलता है कि सुंदर चंपा राजपूत वंश से संबंधित है?

उ० निम्न पंक्तियों से पता चलता है कि सुंदर और चंपा राजपूतवंश से संबंधित हैं।

क. ~~सत्सन~~ सुंदर 'क्यों' बहन चंपा, हम दोनों राजा की शंतान है न

ख. चंपा → हाँ भाई।

प्र०=3. चंपा ने सुंदर को नदी के पानी से प्यास बुझाने के लिए मना क्यो किया?

उ० चंपा ने सुंदर के लिए रोटियाँ (अपने हिस्से की) एक त्रिटकर रखी थी। वह उन्हें खिलाकर सुंदर की भूख शांत करना चाहती थी। इसीलिए वह उसने नदी का पानी पीकर भूख शांत करने के लिए मना कर रही थी।

Page:
Date: / /

प्र०=4. चंपा ने क्यों कहा कि वह अतिथि को भोजन करवाएगी?

उ० चंपा के पास अपने और सुंदर के हिस्से की रोटियाँ रखी थी। जिस की जानकारी प्रताप और गुणवती को नहीं थी। इसीलिए चंपा ने कहा की वह अतिथि को भोजन करवाएगी।

प्र०=5. चंपा के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

उ० चंपा राजस्थान (मेवाड़) के महाराणा प्रताप और गुणवती की सुयोग्य संतान थी प्रेम, सहानुभूति, दया स्वाभिमान स्वावलंबन, साहस एवं सहनशीलता जैसे मानवीय की स्वामिनी।

रचनात्मक लिखिए

04/08/21